DHWANI

Question 1.  
कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा?  
Solution:  
कवि को ऐसा विश्वास इसलिए है क्योंकि अभी उसके मन में नया जोश व उमंग है। अभी उसे काफ़ी नवीन कार्य करने है। वह युवा पीढ़ी को आलस्य की दशा से उबारना चाहते हैं।

Question 2.  
फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि कौन-कौन-सा प्रयास करता है?  
Solution:  
फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि उन्हें कलियों की स्थिति से निकालकर खिले फूल बनाना चाहता है। कवि का मानना है कि उसके जीवन में वसंत आया हुआ है। इसलिए वह कलियों को हाथों के वासंती स्पर्श से खिला देगा। वह फूलों की आँखों से आलस्य हटाकर उन्हें चुस्त व जागरूक करना चाहता है।

Question 3.  
कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए क्या करना चाहता है?  
Solution:  
कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए उन पर अपना हाथ फेरकर उन्हें जगाना चाहता है। वह उनको चुस्त, प्राणवान, आभावान व पुष्पित करना चाहता है।  
अतः कवि नींद में पड़े युवकों को प्रेरित करके उनमें नए उत्कर्ष के स्वप्न जगह देगा, उनका आलस्य दूर भगा देगा तथा उनमें नये उत्साह का संचार करना चाहता है।

प्रश्न-1 कविता “ध्वनि” के कवि कौन हैं?  
उत्तर – कविता “ध्वनि” के कवि सूर्यकांत त्रिपाठी “निराला” हैं।

प्रश्न-2 वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है? आपस में चर्चा कीजिए।  
उत्तर – इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है, मौसम सुहावना हो जाता है, पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं, आम के पेड़ बौरों से लद जाते हैं और खेत सरसों के फूलों से भरे पीले दिखाई देते हैं । अतः राग रंग और उत्सव मनाने के लिए यह ऋतु सर्वश्रेष्ठ मानी गई है और इसलिए इसे ऋतुराज कहा गया है।

प्रश्न-3 कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा?  
उत्तर- कवि को ऐसा विश्वास इसलिए है क्योंकि उसके मन में नया जोश व उमंग है। वह आशावादी है। अभी उसे कई कार्य करने हैं। वह युवा पीढ़ी को आलस्य की दशा से उबारना चाहता है और उन्हें उनके लक्ष्य की ओर प्रेरित करना चाहता है। वह अपने रचनात्मक कार्यों की खुशबू चारों ओर बिखेरना चाहता है।

प्रश्न-5 “ऋतु परिवर्तन का जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। ” – इस कथन की पुष्टि आप किन-किन बातों से कर सकते हैं ? लिखिए।  
उत्तर – यह कथन सत्य है कि ऋतु परिवर्तन का जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। ग्रीष्म ऋतु में झुलसा देने वाली गर्मी पड़ती है। इसलिए गर्मी से बचने के लिए लोग ठंडी चीजें खाते और पीते हैं, जैसे कि लस्सी , निम्बू पानी आदि। सभी लोग गर्मी में सूती के कपडे पहनना पसंद करते हैं। वहीं लोग शीत ऋतु में ठंड से बचने के लिए ऊनी कपडे पहनते है। साथ ही ठण्ड से राहत पाने के लिए गर्म खाद्य पदार्थ खाते और पीते हैं। मौसम का प्रभाव हमारे क्रियाकलापों पर भी पड़ता है।